PRESS RELEASE

National Conference on issues in Emerging Markets (NCEM 2019)

The third edition of **National Conference on issues in Emerging Markets (NCEM 2019)** was held on CIMP Campus on 11th November 2019. The conference was presided over by Dr. V. Mukunda Das, Director, CIMP, and the key note speaker was Prof. Sundararajan. In his inaugural address, Dr. Mukunda Das talked about the relevance of the social implications of this type of academic gatherings through issues like social marketing, rural marketing which are especially important in the context of Bihar.

Prof. Sundararajan, the key note speaker for the conference, spoke about the core of management being "doing" or actions. So, Creative Management is about being 'creative' in the doing of whatever activities involved in the role functions of a manager. He argued that creativity in management is not about discoveries, inventions, etc. Instead, he emphasized creativity to be correct, elegant, and complete in the doing of managerial activities. In the context of management, he reiterated that Managers need to develop the three core powers in order to translate knowing into doing: (1) Free-Wheeling mind or freedom from mental traps, (2) Analytic intellect, and (3) Creative language control.

In all, 14 papers were presented in the four technical sessions (OB & HR; General Management & Public Policy; Finance & Economics; and Marketing & Operations Management). The best paper award went to Mr. Sanjeet Kumar Sameer (Doctoral scholar, IIM Lucknow) .The valedictory session was presided over by Dr. Sundararajan where certificates were presented to the paper presenters.

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में "उभरते बाजारो के मुद्दों" पर नेशनल कोंफ्रेंस का आयोजन

"उभरते बाजारो के मुद्दों" पर नेशनल कोंफ्रेंस (NCEM 2019) का तीसरा संस्करण 11 नवंबर 2019 को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) कैंपस में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन की अध्यक्षता, डॉ.वी. मुकुंद दास, निदेशक सीआईएमपी ने की थी और प्रमुख वक्ता प्रो सुंदरराजन थे। अपने उद्घाटन भाषण में, सीआईएमपी के निदेशक, डॉ मुकुंद दास ने सामाजिक विपणन और ग्रामीण विपणन जैसे मुद्दों के माध्यम से इस तरह के अकादमिक समारोहों के सामाजिक निहितार्थों की प्रासंगिकता के बारे में बात की, जो विशेष रूप से बिहार के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं।

सम्मेलन के लिए प्रमुख वक्ता प्रो सुंदरराजन ने प्रबंधन के मूल कार्यों के बारे में बात की। उन्होंने कहा के "रचनात्मक प्रबंधन", प्रबंधक की भूमिका में जो भी गतिविधियाँ शामिल हैं, उन्हें करने में 'रचनात्मक' होना है। उन्होंने तर्क दिया कि प्रबंधन में रचनात्मकता केवल खोज या आविष्कारों आदि नहीं है, बल्कि रचनात्मकता सही, सुरुचिपूर्ण, और पूर्ण होना है| उन्होंने प्रबंधन के संदर्भ में दोहराया कि प्रबंधकों को तीन रचनात्मक शक्तियां विकसित करने की जरूरत है ताकि वे जान सकें कि उन्हें क्या करना है, वे हैं: (1) मानसिक जाल से मुक्ति, (2) विश्लेषणात्मक बुद्धि, और (3) रचनात्मक कार्य पर नियंत्रण।

कुल मिलाकर इस नेशनल कोंफ्रेंस में, चार तकनीकी सत्रों (मानव संसाधन; जनरल मैनेजमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी; फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स; मार्केटिंग एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट) में 14 पेपर प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार श्री संजीत कुमार समीर (डॉक्टरल स्कॉलर, आईआईएम लखनऊ) को दिया गया। अंतिम सत्र की अध्यक्षता डॉ सुंदरराजन ने की, जहाँ रिसर्च पेपर प्रस्तुतकर्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।